इतिहास :– भारत और समकालीन विश्व–1

कक्षा– नौवीं

अध्याय–2, यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

याद रखने योग्य बातें :–

1. रूढ़िवादी (Conservative) :– वह लोग जो परिवर्तन का विरोध करते है।
2. उदारवादी (Liberals) :– वह लोग जो नागरिको की स्वतंत्रता में यकीन रखते हैं।
3. परिवर्तनवादी (Redical) :– जो समाज में बदलाव लाना चाहते है।
4. समाजवाद :– ऐसी विचारधारा जो उस बात में विश्वास रखती है कि उत्पादन के साधनो पर समाज का अधिपत्य हो।
5. निरंकुश राजशाही :– राजा का बिना रोक–टोक शासन करना।
6. जदीदी :– रूसी साम्राज्य में सक्रिय मुस्लिम सुधारवादी।
7. उदारवादी ऐसा राष्ट्र चाहते थे जिसमें सभी धर्मो को बराबर का सम्मान मिले।
8. रेडिकल समूह के लोग देश की आबादी के बहुमत के समर्थन पर आधारित सरकार के पक्ष में थे।
9. रूढ़िवादी परिवर्तन के विचारों के धीमी गति से पक्षधर थे।
10. औद्योगिकरण ने स्त्री और पुरूषो को कारखानो में लाकर खड़ा कर दिया।
11. वोट डालने का अधिकार पाने के लिए मताधिकार आंदोलन चलाया गया।
12. प्रथम विश्व युद्ध (1914–18)
13. 1905 की क्रान्ति की शुरूआत खूनी रविवार की घटना से होती है।
14. जर्मनी, आस्ट्रिया, हंगरी और तुर्की केन्द्रीय शक्तियाँ थी।
15. फ्रांस, ब्रिटेन व रूस मित्र राष्ट्र थे।
16. रविवार 25 फरवरी 1917 को सरकार ने ड्यूमा को बर्खास्त कर दिया।
17. लेनिन की तीन माँगों को अप्रैल थीसिस के नाम से जाना जाता है।
18. ज़ार (राजा) ने 2 मार्च 1917 को गद्दी छोड़ दी।
19. अक्टूबर 1917 की क्रान्ति बोल्शेविक व अंतरिम सरकार में टकराव।

20. अक्तूबर क्रान्ति के पश्चात् रूस गृह युद्ध की चपेट में आ गया।

21. स्तालिन ने सामूहिकीकरण का सिद्धांत दिया।

22. रूसी क्रान्ति के पश्चात् सम्पूर्ण विश्व में समाजवाद तेज़ी से फैला।

23. 20वीं सदी के अंत तक समाजवादी देश के रूप में अंतराष्ट्रीय स्तर पर सोवियत प्रतिष्ठा में कमी आई परन्तु आज भी वहाँ समाजवाद के सिद्धांतो का सम्मान है।

—:—

1 अंक वाले प्रश्न

प्र01 साम्यवादी विचार के संस्थापक कौन थे?

प्र02 रूस में आर्थिक नीति को किसने प्रारंभ किया था?

प्र03 खूनी रविवार का संबंध रूस की किस क्रांति से है?

प्र04 रूस के शासको को क्या कहा जाता था?

प्र05 रूसी इतिहास के किस तिथि को आज अतंर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्र06 1917 की रूस की क्रांति का आरंभ किस शहर से हुआ?

प्र07 रूस की संसद का नाम क्या था?

प्र08 मेनशेविक और बोल्शेविक के नेता कौन थे?

प्र09 रूस के ज़ार निकोलस II ने त्यागपत्र कब दिया?

प्र10 'कुलक' कौन थे?

प्र11 रूस के संदर्भ में कोलखोज क्या था?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

उ01 कार्ल मार्क्स

उ02 लेनिन ने

उ03 1905 की क्रांति

उ04 ज़ार

उ05 22 फरवरी

उ06 पैत्रोग्राद

उ07 ड्यूमा

उ08 केरेंस्की और लेनिन

उ09 2 मार्च 1917

उ10 रूस में संपन्न किसानों को कुलक कहा जाता था।

उ11 रूस में सामूहिक खेत को कोल खोज कहा जाता था।

3 अंक वाले प्रश्न

प्र01 रूस के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हालात 1905 से पहले कैसे थे?

प्र02 1917 में रूस में ज़ार का शासन क्यों समाप्त हो गया?

प्र03 स्तालिन का सामूहिकीकरण का कार्यक्रम क्या था?

प्र04 लेनिन की अप्रैल थीसिस क्या थी?

5 अंक वाले प्रश्न

प्र01 बोल्शेविको ने अक्टूबर क्रांति के बाद कौन–कौन से प्रमुख परिवर्तन किए?

प्र02 रूसी क्रांति के विश्व पर जो प्रभाव पड़े उनका वर्णन करो?

प्र03 'खूनी रविवार' से क्या अभिप्राय है?

प्र04 1917 की रूसी क्रांति से पहले रूस में श्रमिको की क्या हालत थी?

प्र05 अक्टूबर क्रांति क्या है?

प्र06 प्रथम विश्व युद्ध का रूस की अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा।

3 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

उ01
1) ग्रामीण क्षेत्रों में समाज, मज़दूर, अभिजात वर्ग और चर्च के बीच बंटा हुआ था।
2) लगभग 85 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्यो से जुड़ी थी। कारखानों से प्राप्त लाभ पर मालिको का अधिकार था।

3) मज़दूरों, भूमिहीन किसानो व महिलाओं को शासन में भाग लेने का अधिकार नहीं था।

उ02 1) प्रथम विश्वयुद्ध में लगभग 70 लाख रूसी मारे गए।

2) सैनिक युद्ध लड़ने के पक्ष में नहीं थे, वे युद्ध को जारी रखने के सरकारी निर्णय के विरूद्ध थे।

3) फौज और श्रमिको ने पेत्रोग्राद सोवियत का निर्माण किया और ज़ार के शासन का अंत किया।

उ03 1) रूस में अनाज की कमी को देखते हुए स्तालिन ने खेतो के सामूहिकीकरण की प्रक्रिया शुरू की।

2) छोटे–छोटे भूमि के टुकड़ो को जोड़कर विशाल ज़मीन का फार्म बनाया जा सकता था।

3) सामूहिक खेती करने के लिए बड़ी भूमि अर्जित करना ही स्तालिन की सामूहिकीकरण की प्रक्रिया कहलाई।

उ04 1) युद्ध समाप्त कर दिया जाए।

2) ज़मीन किसानो को दे दी जाए।

3) बैंको का राष्ट्रीयकरण किया जाए।

5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

उ01 1) नवंबर 1917 में अधिकतर बैंको का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया।

2) भूमि को सामाजिक सम्पत्ति घोषित किया गया।

3) निरंकुश राजतंत्र द्वारा प्रदान की गई उपाधियों पर रोक लगा दी गई।

4) व्यापार संघो पर नई पार्टी का नियंत्रण स्थापित कर दिया गया।

5) बोल्शेविक पार्टी का नाम बदलकर रशियन कम्यूनिस्ट पार्टी रख दिया गया।

उ02 1) रूस में किसानो व श्रमिको की सरकार स्थापित होने के कारण विश्व के अन्य देशों में कृषको का सम्मान बढ़ा।

2) 1917 की क्रांति के बाद रूस में साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई। कुछ समय बाद अनेक देशों में साम्यवादी सरकारे बनाई गई।

3) रूसी क्रांति के बाद अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पूंजीपतियों तथा श्रमिको में संघर्ष छिड़ गया।

4) अन्य देशो की सरकारे भी सोचने लगी कि लोगो को रोटी–कपड़ा और मकान प्रदान करना उनका दायित्व है।

उ03 1) रूस के ज़ार का शासन अत्याचारपूर्ण होना।

2) जनवरी 1905 में एक रविवार को लोगो का ज़ार से मिलना और याचिका देने का प्रयत्न।

3) मिलने के स्थान पर मज़दूरों पर हमला।

4) हमले में 100 से ज्यादा मज़दूर मरे और 300 घायल हुए।

5) यह घटना खूनी रविवार के नाम से जानी जाती है।

उ04 1) सामाजिक एवं आर्थिक बदलावो का दौर था।

2) औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे थे।

3) औद्यौगिकरण ने औरतो, आदमियो और बच्चो को कारखानों में खड़ा कर दिया।

4) काम के घंटे ज्यादा और मज़दूरी बहुत कम होती थी।

5) वस्तुओं की माँग में गिरावट आने से बेरोज़गारी का बढ़ जाना भी एक समस्या थी।

उ05 1) यह क्रांति का दूसरा दौर था।

2) फरवरी क्रांति के बाद रूस की सत्ता केरेंस्की ने संभाल ली थी।

3) वह जनता की आवश्यकताएं पूरी न कर सका, मज़दूरो को अधिकार व किसानो को भूमि न दिला सका।

4) अस्थायी सरकार को भंग कर दिया गया।

5) केरेंस्की देश छोड़ कर भाग गया। शासन लेनिन के हाथ में आ गया।

उ01 1) जागीरो को छीन कर किसानो में भूमि का बंटवारा।

2) उद्योगो पर राज्यो का नियंत्रण।

3) विकास के लिए आर्थिक नियोजन।

4) साम्राज्यवाद का अंत।

5) अन्तर्राष्ट्रीयता को प्रोत्साहन।

कुछ महत्वपूर्ण तिथियाँ

— **1550–1880**

रूस में समाजवाद पर चर्चा

— **1898**

रशियन सोशल डेमोक्रेटिक वर्कस पार्टी की स्थापना

— **1905**

खूनी रविवार और 1905 की क्रांति

— **1917**

2 मार्च – ज़ार द्वारा त्यागपत्र

24 अक्टूबर – पेत्रोग्राद में बोल्शेविक विद्रोह।

— **1918–20**

गृहयुद्ध

— **1919**

कॉमिन्टर्न का गठन

— **1929**

सामूहिकीकरण का प्रारंभ

रूसी क्रांति – 2

1914 का यूरोप.

मानचित्र में रूसी साम्राज्य और पहले महायुद्ध में शामिल यूरोपीय देशों को दर्शाया गया है।